चीज़ें जो हम बनाते हैं

1. **कला और शिल्प**: भारत में विभिन्न प्रकार की संस्कृति, कला और शिल्प पाए जाते हैं। देश के प्रत्येक क्षेत्र में कुछ अद्वितीय और पारंपरिक शिल्प हैं.

2. **चित्रकारी**: चित्रकला की परंपरा भारतीय उपमहाद्वीप में प्राचीन काल से चली आ रही है। नीचे विभिन्न प्रकार के चित्र दिए गए हैं: -

(i) **चित्र काठी पेंटिंग:** यह पेंटिंग महाराष्ट्र की है, इस पेंटिंग के माध्यम से कहानी को दर्शाया गया है। इस पेंटिंग में केवल प्राकृतिक रंग का उपयोग किया जाता है.

(ii) **कलमकारी पेंटिंग: यह पेंटिंग आंध्र प्रदेश से संबंधित है, प्राकृतिक रंग का उपयोग किया जाता है और इन्हें कपड़े पर ब्लॉक प्रिंटिंग के रूप में भी किया जाता है।**

(iii) **मधुबनी पेंटिंग:** यह बिहार राज्य से संबंधित है। इस पेंटिंग में पत्ती, फूल, जानवरों, पक्षियों और मनुष्यों जैसी प्राकृतिक चीजों को दर्शाया गया है। पेंटिंग में प्राकृतिक रंग का उपयोग किया जाता है, इंडिगो, हल्दी और सामान्य फूलों से रंग प्राप्त किया जाता है। पेंटिंग को और अधिक महिमामंडित करने के लिए एक विशेष प्रकार के पीसने वाले चावल का पेस्ट बनाया जाता है.

(iv) **पाटा पेंटिंग:** यह ओडिशा में पाया जाता है, खनिजों और सब्जियों से प्राकृतिक रंग का उपयोग किया जाता है। कपड़े पर चित्रकारी की जाती है।

(v) **फाड़ पेंटिंग:** यह पेंटिंग कपड़े पर की जाती है और राजस्थान से संबंधित है।

3. **पारंपरिक कला:** कला संस्कृति का एक हिस्सा है। यह एक कौशल और ज्ञान है जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी पारित किया जाता है। प्रसिद्ध पारंपरिक कला रूपों में से कुछ नीचे दिए गए हैं: -

कुछ पारंपरिक कलाएं

पारंपरिक कला	क्षेत्र या राज्य
जमदानी	पश्चिम बंगाल
पश्मीना और शहतूत	जम्मू और कश्मीर
पटोला	गुजरात
बंडाना डिजाइन	राजस्थान और गुजरात
चिकनकारी	लखनऊ
मुगा रेशम	असम
पोचम पल्ली	आंध्र प्रदेश
इत्र उद्योग	कन्नौज
शाल	कुल्लू, हिमाचल प्रदेश
कढ़ाई	जम्मू और कश्मीर

विश्व प्रसिद्ध पश्मीना: पश्मीना शॉल छह स्वेटरों की तरह गर्म है! यह बहुत पतला और गर्म होता है। जिन बकरियों से मुलायम पश्मीना ऊन एकत्र की जाती है, वे 5000 मीटर की ऊँचाई पर पाई जाती हैं। सर्दियों में तापमान 40C तक कम हो जाता है। बकरी के शरीर पर गर्म बालों का एक कोट बढ़ता है जो इसे अत्यधिक ठंड से बचाता है।
बकरी ने अपने कुछ बाल, गर्मियों में फर बहा दिए। यह बाल इतना महीन है कि इनमें से छह हमारे बालों के जितने मोटे होंगे। ठीक बालों को मशीनों पर नहीं बुना जा सकता, इसलिए कश्मीर में बुनकरों ने हाथों से ये शॉल बनाए। यह लंबी और कठिन प्रक्रिया है। लगभग 250 घंटों की बुनाई के बाद एक सादा पश्मीना शॉल बनाया जाता है.

भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विशेष कपड़े:

महिलाओं के लिए पोशाक	क्षेत्र / राज्य
मुंडुम नेरियथुम	केरल
मेखला चदर	असम
सलवार कमीज़	हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी यूपी, हिमाचल प्रदेश
फिरण	कश्मीर
घाघरा चोली	राजस्थान, गुजरात
अनारकली सलवार सूट	उत्तर भारत

पुरुषों के क्षेत्र / राज्य के लिए पोशाक			
सफा	राजस्थान	फिरण	कश्मीर
दस्तर	पंजाब	फेटा	महाराष्ट्र / मैसूर

4. **भाषाएँ**: भारत में संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त 22 भाषाएँ हैं। हमारे देश में अंग्रेजी और हिंदी भाषा व्यापक रूप से बोली जाती है। भारत में कई राज्यों की अपनी आधिकारिक भाषाएं हैं जो विशेष क्षेत्रों में बोली जाती हैं। ये इस प्रकार हैं

भारत की विभिन्न भाषा और बोलियाँ:

भाषा	क्षेत्र	भाषा	क्षेत्र
हिन्दी	संपूर्ण उत्तर भारत	पंजाबी	पंजाब
सिंधी	पंजाब, राजस्थान, गुजरात	नेपाली	उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार
डोंगरी	जम्मू और कश्मीर	बोडा	असम
तेलगु	आंध्र प्रदेश	मैथिली	बिहार
उड़िया	ओडिशा	कोंकणी	गोवा
कन्नड़	कर्नाटक	असमिया	असम
मणिपुरी	मणिपुर	कश्मीर	कश्मीर
संथाल	झारखंड	मराठी	महाराष्ट्र
तामिल	तमिलनाडु	मलयालम	केरल
कुदुक	झारखंड		

ब्रेल लिपि: यह उन लोगों के लिए पढ़ने और लिखने का एक विशेष तरीका है जो देख नहीं सकते हैं। यह एक नुकीले औजार से उभरे हुए बिंदुओं की एक पंक्ति बनाकर मोटे कागज पर लिखा जाता है। ब्रेल लिपि 6 बिंदुओं पर आधारित है और इसे उभरे हुए बिंदुओं पर उंगली चलाकर पढ़ा जाता है। फ्रांस के लुई ब्रेल ने नेत्रहीनों के लिए नई लिपि का आविष्कार किया और इसे ब्रेल लिपि के रूप में जाना जाता है.

5. **जनजाति**: एक जनजाति अलग-अलग लोगों का एक समूह है, जो अपनी आजीविका के लिए अपनी भूमि पर निर्भर है, जो काफी हद तक आत्मनिर्भर हैं और राष्ट्रीय समाज में एकीकृत नहीं हैं। उनके जीने और संस्कृति का अपना तरीका है.

भारत की प्रसिद्ध जनजातियाँ:

जनजाति	क्षेत्र / राज्य
चंपा	लद्दाख
गद्दी जनजाति	हिमाचल प्रदेश
बक्करवाला जनजाति	जम्मू और कश्मीर
थारू	उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश
खरवार जनजाति	उत्तर प्रदेश
जौनसारी	उत्तराखंड
भोटिया जनजाति	उत्तराखंड
गोंड	छत्तीसगढ़
कोरवा	छत्तीसगढ़ और झारखंड
सहविया	मध्य प्रदेश
मीणा	राजस्थान Rajasthan
भील	राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश
संथाल	झारखंड
मुंडा	झारखंड
खोंड	ओडिशा
नागा	नागालैंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश
गारो, खासी, जनिता	मेघालय
कूकी	मणिपुर
लेपचा	सिक्किम